1.कनक कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय
यह खाय बौराए जग वो पाए बौराए।

2.तब तो बहता हुआ समय
शिला सा जम जाएगा

3. रहिमन जो गति दीप की कुल कपूत गति सोइ
बारे उजियारे करे बड़े अंधेरों होए।

4. पानी परात को हाथी छुयौ नहीं
नैनन के जल सों पग धोए।

5. पायो जी मैंने राम रतन धन पायो

6. देख लो साकेत नगरी है यही
स्वर्ग से मिलने गगन में जा रही

7. उस वक्त मारे क्रोध के तनु कांपने लगा
मानो हवा के जोर से सोता हुआ सागर जगा

8. सागर - सा गंभीर हृदय हो
गिरी - सा ऊंचा हो जिसका मन

9. लो उड़ चला अचानक लो भूधर

10. चरण कमल बंदौ हरिराई।

LIVEWORKSHEETS